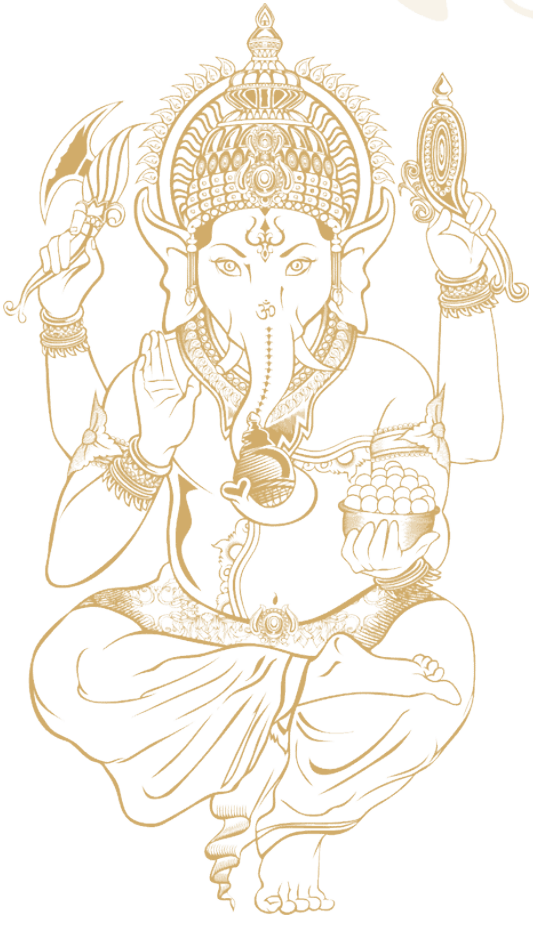

Ravinder Kaushik

18 Feb 1984

08:20 PM

Jind

Model: web-freekundliweb

Order No: 121055402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/02/1984**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**20:20:00 घंटे**
इष्ट	33:14:38 घटी
स्थान	**Jind**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:19:00 उत्तर
रेखांश	76:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:55:28 घंटे
वेलान्तर	-00:14:04 घंटे
साम्पातिक काल	05:46:32 घंटे
सूर्योदय	07:02:08 घंटे
सूर्यास्त	18:15:18 घंटे
दिनमान	11:13:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:30:36 कुम्भ
लग्न के अंश	03:24:47 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	धृति
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेकचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:24:47	316:21:14	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			कुंभ	05:30:36	01:00:31	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	28:16:28	15:13:21	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			तुला	24:08:09	00:23:25	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध		अ	मक	21:01:55	01:36:26	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			धनु	12:17:38	00:10:40	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	स्वराशि
शुक्र			मक	05:38:53	01:13:54	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि			तुला	22:43:19	00:00:37	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		वृष	18:51:45	00:10:10	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	18:51:45	00:10:10	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	19:34:07	00:01:31	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	07:15:49	00:01:24	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	08:26:35	00:00:30	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			मिथु	03:16:27	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:53

लग्न-चलित

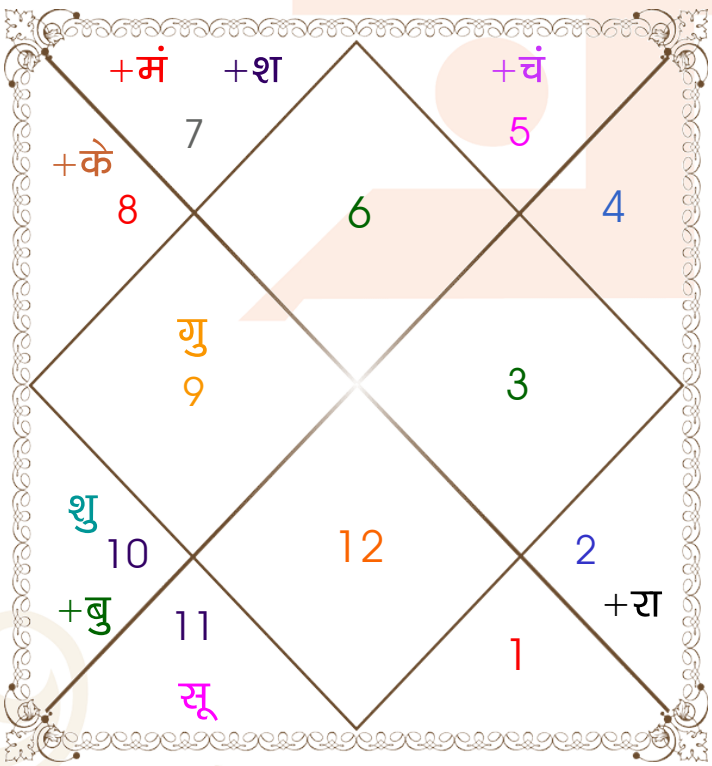

चन्द्र कुंडली

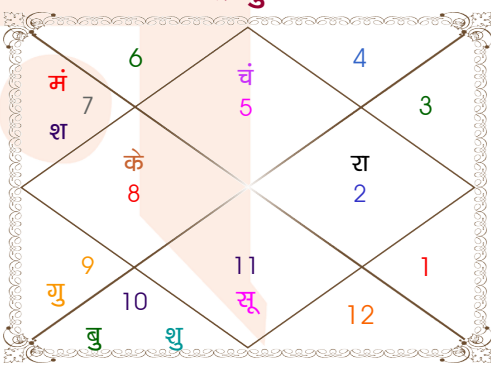

नवमांश कुंडली

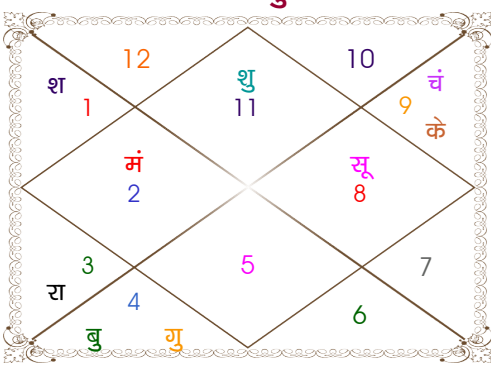

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 3 मास 9 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/02/1984		30/05/1989		30/05/1999		30/05/2006		29/05/2024	
30/05/1989		30/05/1999		30/05/2006		29/05/2024		29/05/2040	
	18/02/1984	चंद्र	30/03/1990	मंगल	26/10/1999	राहु	09/02/2009	गुरु	18/07/2026
चंद्र	17/03/1984	मंगल	29/10/1990	राहु	13/11/2000	गुरु	06/07/2011	शनि	28/01/2029
मंगल	23/07/1984	राहु	29/04/1992	गुरु	20/10/2001	शनि	12/05/2014	बुध	06/05/2031
राहु	17/06/1985	गुरु	29/08/1993	शनि	28/11/2002	बुध	28/11/2016	केतु	11/04/2032
गुरु	05/04/1986	शनि	30/03/1995	बुध	26/11/2003	केतु	16/12/2017	शुक्र	11/12/2034
शनि	18/03/1987	बुध	29/08/1996	केतु	23/04/2004	शुक्र	16/12/2020	सूर्य	29/09/2035
बुध	22/01/1988	केतु	30/03/1997	शुक्र	23/06/2005	सूर्य	10/11/2021	चंद्र	28/01/2037
केतु	29/05/1988	शुक्र	28/11/1998	सूर्य	29/10/2005	चंद्र	12/05/2023	मंगल	04/01/2038
शुक्र	30/05/1989	सूर्य	30/05/1999	चंद्र	30/05/2006	मंगल	29/05/2024	राहु	29/05/2040

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
29/05/2040		30/05/2059		29/05/2076		30/05/2083		31/05/2103	
30/05/2059		29/05/2076		30/05/2083		31/05/2103		00/00/0000	
शनि	02/06/2043	बुध	26/10/2061	केतु	25/10/2076	शुक्र	29/09/2086	सूर्य	18/09/2103
बुध	09/02/2046	केतु	23/10/2062	शुक्र	26/12/2077	सूर्य	29/09/2087	चंद्र	19/02/2104
केतु	21/03/2047	शुक्र	23/08/2065	सूर्य	02/05/2078	चंद्र	30/05/2089		00/00/0000
शुक्र	21/05/2050	सूर्य	29/06/2066	चंद्र	02/12/2078	मंगल	30/07/2090		00/00/0000
सूर्य	03/05/2051	चंद्र	29/11/2067	मंगल	30/04/2079	राहु	29/07/2093		00/00/0000
चंद्र	01/12/2052	मंगल	25/11/2068	राहु	17/05/2080	गुरु	29/03/2096		00/00/0000
मंगल	10/01/2054	राहु	14/06/2071	गुरु	23/04/2081	शनि	30/05/2099		00/00/0000
राहु	16/11/2056	गुरु	19/09/2073	शनि	02/06/2082	बुध	31/03/2102		00/00/0000
गुरु	30/05/2059	शनि	29/05/2076	बुध	30/05/2083	केतु	31/05/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 3 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।